

२०. अलबम

प्रस्तावना

सुदर्शन

(जन्म : सन् 1896 ई., निधन : सन् 1976 ई.)

* पश्चिम पंजाब का सियालकोट जो आज पाकिस्तान में है, वहाँ हमारे आज के इस पाठ के लेखक सुदर्शन जी का जन्म सन 1896 और निधन सन 1976 में हुआ था। बचपन से ही लिखने के शौकीन सुदर्शन जी ने पहले उर्दू भाषा में और बादमे हिंदी भाषा में लिखना शुरू किया। हिंदी कहानी क्षेत्र में प्रेमचंद जी के बाद सुदर्शन जी का नाम आता है। 'सरस्वती' नामक पत्रिका में उनकी पहली कहानी 1920 में छपी थी। प्रस्तुत कहानी में पंडित शादीराम और लाला सदानंद के बीच जो आर्थिक व्यवहार हुआ उसमें संबंधों को किस तरह बचाया गया, उसका मार्मिक वर्णन है। आजकल पैसों के कारण संबंधों में दरार पड़ जाती है। ऐसे समय में मानव मूल्यों का जतन करने की प्रेरणा इस कहानी से मिलती है।

स्वाध्याय

१. निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए :

१. पंडित शादीराम अपना ऋण क्यों नहीं उतार पाते थे ?

- (अ) वे अत्यंत गरीब थे ।
- (ब) बचे हुए पैसे किसी न किसी तरह खर्च हो जाते थे ।
- (क) पैसे देने की दानत नहीं थी ।
- (ड) पैसे देने जितनी रकम ईकट्टा ही नहीं होती थी ।

२. शादीराम पुरानी पत्रिकाएँ बेचते नहीं थे क्योंकि.....

- (अ) उनकी कोई ज्यादा रकम नहीं मिल सकती थी ।
- (ब) उनके भाई की अमानत थी ।
- (क) उनके रोते हुए बच्चे उनमें चित्रों को देखकर चुप हो जाते थे ।
- (ड) पत्रिकाएँ उन्हें बहुत प्रिय थी ।

३. सदानंद के कहने पर शादीराम ने पत्रिकाओं के चित्रों का क्या किया ?

- (अ) बेच दिए
- (ब) अलबम बनाया ।
- (क) बच्चों को बाँट दिया ।
- (ड) दीवारों पर सजा दिया ।

४. पंडित शादीराम को अलबम के कितने रुपये मिले ?

(अ) एक हजार

(ब) दो सो

(क) दो हजार

(ड) एक सो

५. सदानंद का मन प्रसन्नता से नाच उठा क्योंकि.....

(अ) उन्हे अपने पैसे वापस मिल गए ।

(क) पंडित शादीराम की उदारता और सज्जनता के कारण ।

(क) परमात्मा ने उनकी बात स्वीकार कर ली ।

(ड) मारवाड़ी शेठ ने अलबम खरीद लिया ।

२. निम्नलिखित प्रश्नों के एक – एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१. पंडित शादीराम के बचाए हुए अस्सी रुपये किसमें खर्च हो गये ?

उत्तर : पंडित शादीराम के बचाए अस्सी रुपये लड़के की बीमारी में खर्च हो गए ।

२. पंडित शादीराम पुरानी पत्रिकाएँ क्यों नहीं बेच देते थे ?

उत्तर : पंडित शादीराम के रोते हुए बच्चे पत्रिका के चित्रों को देखकर चुप हो जाते थे । इसलिए पंडित शादीराम पुरानी पत्रिकाएँ नहीं बेचते थे ।

३. सदानंद ने शादीराम को पुरानी पत्रिकाओं से क्या करने की सलाह दी ?

उत्तर : लाला सदानंद ने शादीराम को पुरानी पत्रिकाओं से अच्छी तस्वीरें अलग छोट लेने की सलाह दी ।

४. लाला सदानंद की बीमारी के समय पंडित शादीराम किस तरह सेवा करते थे ?

उत्तर : पंडित शादीराम लाला सदानंद के लिए दिन – रात माला फेरते थे । यही उनकी औषधी थी जैसे वे अपनी आत्मा की पूरी शक्ति और मन से करते थे ।

५. ‘ अलबम ‘सेठ से मैंने मँगवा लिया है । ऐसा सदाराम ने शादीराम से क्यों कहा ?

उत्तर : शादीराम ने सदानंद के सिरहाने अलबम देख लिया था । इसलिए वह अलबम छीनकर सदानंद ने कहा की अलबम मैंने मँगवा लिया है, ताकि उन्हें शंका न हो ।

३. निम्नलिखित प्रश्नों के दो – तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. पंडित शादीराम कर्ज अदा करने के लिए क्यों बैचेन थे ?

उत्तर : पंडित शादीराम ने कई साल पहले लाला सदानंद से कर्ज लिया था । पर लाला सदानंद ने कभी पैसे का जिक्र नहीं किया था । पंडित शादीराम पेट काट – काटकर पैसे बचाते फिर भी कोई न कोई काम निकल आता कि सारा पैसा उड़ जाता । इस कारण शादीराम कर्ज अदा करने के लिए बैचेन थे ।

२. लाला सदानंद ने शादीराम की समस्या का क्या हल निकाला ?

उत्तर : कर्ज को अदा करने के लिए बैचेन शादीराम की समस्या का हल निकालने के लिए लाला सदानंद ने शादीराम के घर पर पड़ी सुंदर तस्वीरोंवाली पत्रिकाओं से अच्छी – अच्छी तस्वीरें छाँटने के लिए उनसे कहा । इन तस्वीरों का अलबम बनाकर विज्ञापन देने पर कलकत्ते के मारवाड़ी शेठ ने पत्र लिखकर यह अलबम खरीद लिया । इस तरह लाला सदानंद ने शादीराम की समस्या का हल निकाला ।

३. शादीराम ने अपना कर्ज कैसे चुकाया ?

उत्तर : सदानंद के कहने पर शादीराम ने पत्रिकाओं में से तस्वीरें छाँटकर अलबम बनाया । उस अलबम को कलकत्ता के मारवाड़ी शेठ ने खरीद लिया । उन पैसे से शादीराम ने अपना कर्ज चुकाया ।

४. पंडित शादीराम लाला सदानंद से यह क्यों नहीं कह सके की वह झूठ बोल रहे हैं ?

उत्तर : बिमार लाला सदानंद के सिरहाने पर अलबम मारवाड़ी शेठ ने नहीं बल्कि सदानंद ने खरीदा था । सदानंद ने सफाई देते हुए शादीराम से कहा कि शेठ से उन्होंने अलबम मँगवा लिया था । इस पर शादीराम समझ गए कि सदानंद झूठ बोल रहे हैं, लेकिन वो इतने सज्जन ईन्सान को ये बोल नहीं पाए ।

५. शादीराम का कर्ज उतरने की जगह दुगना क्यों हो गया ?

उत्तर : सदानंद ने शादीराम को कर्ज मुक्ति के लिए अलबम बनवाने का उपाय दिया । शादीराम ने वैसा ही किया और सोच ने लगा वह कर्जमुक्त हो गया है । पर जब सदानंद के सिरहाने पर शादीराम वह अलबम देखता है तब समझ गया कि वह अलबम शेठ ने नहीं बल्कि सदानंद ने खरीदा था । तब वे समझ गया कि पहले का कर्ज तो अदा नहीं हुआ और इस अलबम से मिले पैसे से कर्ज दुगना हो गया ।

४. निम्नलिखित प्रश्नों के चार – पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. पंडित शादीराम के दिल में क्यों शांति नहीं थी ?

उत्तर : पंडित शांतिराम ने अपने यजमान सदानंद से कर्ज लिया था जो उन्हें बोझ के समान लगता था। वो चाहते थे किसी भी तरह कर्जमुक्ति मिले। वैसे लाला सदानंद को इस रकम का ज्यादा परवाह न था। वे चाहते थे कि शादीराम रुपये देने की कोशिश न करे। उन्होंने ने इसके लिए कभी तफादा नहीं किया था, पर शादीराम सोचते थे कि वे कुछ नहीं कहते, तो क्या हुआ, इसका मतलब यह थोड़ी की में निश्चित हो जाऊँ। इसलिए शादीराम के दिल में शांति न थी।

२. पंडित शादीराम खुशी से क्यों झूमने लगा ?

उत्तर : लाला सदाराम ने पंडित शादीरामसे अलबम बनाने के लिए पत्रिकाओं की तस्वीरें छाँटने को कहा, तो उन्हें विश्वास नहीं हुआ कि यह प्रयत्न सफल होगा, लेकिन जब सो – दो सो चित्र जमा हो गए तो उन्हें देखकर वे उछल पड़े। वे चित्र की तरफ इस तरह देखते जैसे हर चित्र दस – दस का नोट हो। इसलिए शादीराम भविष्य की कल्पना करते हुए खुशी से उछल पड़े।

३. लाला सदानंद ने शादीराम से रुपये लेने से मना क्यों किया ?

उत्तर : लाला सदानंद जानते थे कि शादीराम नेक दिल और सज्जन व्यक्ति थे। वे यह भी जानते थे कि शादीराम कर्जा चुकाने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रहे हैं। सदानंद को शादीराम की आर्थिक परिस्थिति का अनुभव था। शादीराम जब भी पैसे जमा करते किसी न किसी वजह से खर्च हो जाते थे और शादीराम कर्ज चुका नहीं पाते थे। इसलिए उनकी परिस्थिति देख सदानंद ने रुपये लेने से मना कर दिया।

४. लाला सदानंद के चरित्र पर अपने विचार स्पष्ट किजिए।

उत्तर : लाला सदानंद एक सज्जन, भले मानस, संवेदनशील और दूसरों की मदद करने वाले नेकदिल ईन्शान हैं। शादीराम नामके अपने पंडित को उन्होंने ने कई वर्ष पहले कर्जा दिया था। लेकिन वे कभी उन पैसे का जिक्र नहीं करते थे। बल्की वे चाहते थे कि शादीराम वह पैसे न लोटाये। शादीराम की मदद करने के लिए ही उन्होंने ने पत्रिकाओं से चित्र छाँटने को कहा। चित्रों का उन्होंने ने अलबम बनाकर किसी सेठ के नाम से खरीद लिया। ईईए सब सिर्फ शादीराम को कर्ज मुक्ति दिलवाने के लिए उन्होंने ने नाटक किया। अपने घर में शादीराम के हाथ में वह अलबम देख उन्होंने ने झूठ बोला कि उन्होंने ने वह अलबम सेठ से खरीदा है।

५. सूचनानुसार लिखिए :

१. पर्यायवाची शब्द दीजिए :

हाथ	-	कर
आँख	-	नेत्र
ऋण	-	कर
अंधकार	-	अंधीयारा
परमात्मा	-	ईश्वर

२. विलोम शब्द दीजिए :

ठंडी	×	गर्मी
परवाह	×	लापरवाही
सज्जन	×	दुर्जन
जीवित	×	मृत
निराशा	×	आशा
सफल	×	असफल
दया	×	निर्दयता

३. निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाचक संज्ञा खोजकर बताईए :

१. लाला सदानंद पंडितजी की विवशता को जानते थे, परंतु भलमनसी के सामने आंखे नहीं उठती थी ।

उत्तर : विविशता

२. पंडित शादीराम को अब कोई आशा नहीं थी ।

उत्तर : आशा

३. आपने जो दया और सज्जनता दिखाई है, उसे मरते दम नहीं भूलूंगा ।

उत्तर : सज्जनता

४. आप झूठ बोल रहे हैं ?

उत्तर : झूठ

४. मुहावरों के अर्थ देकर वाक्य प्रयोग कीजिए :

ठंडी आह भरना : दुखी होना ।

उत्तर : अपनी बात कहते हुए उन्होंने ठंडी आह भरी ।

पेट काटकर बचना : कम खर्च में काम चलाना ।

उत्तर : उस औरत ने पेट काट कर बच्चों को बड़ा किया ।

भार उतारना : ज़िम्मेदारी से छूटकारा पाना ।

उत्तर : बेटे की शादी करके उनके सर से भार उतर गया ।